बौद्ध कालीन शिक्षा प्रणाली और भारतीय संस्कृति

डॉ० चन्दा रानी

भारतीय शिक्षा के इतिहास में ईसा से पूर्व छठी शताब्दी में शिक्षा के क्षेत्र में कुछ परिवर्तन हुए। इस काल को बौद्धकाल कहा जाता है तथा इस शिक्षा को बौद्ध कालीन शिक्षा कहा जाता है। वैदिक धर्म एवं ब्राह्मण–उपनिषद् धर्म के पालन करने वालों में बहुत से अवगुण, अन्धविश्वास, आडम्बर तथा जातीय भेदभाव आदि आ गए थे। इस कारण यह आवश्यक था कि समाज के सदस्यों को धर्म के मूल सिद्धांतों के प्रति प्रबुद्ध किया जाए। इसलिए देश में एक नए सम्प्रदाय का उदय हुआ। जिसे महात्मा बुद्ध के अनुनायियों ने उनके ही नाम से "बौद्ध धर्म" का नाम दिया। इस धर्म के उभ्युदय, विकास एवं प्रसार के कारण भारतीय शिक्षा का भी विकास हुआ।